

>

Title: Need to check the menace of Neelgai in Jahanabad/Arwal/Gaya districts of Bihar.

20.00 hrs.

श्री जगदीश शर्मा (जहानाबाद): सभापति जी, मैं जिस विषय को उठा रहा हूँ, उस पर इस सदन में अनेक बार चर्चा हुई है लेकिन उस चर्चा का कोई फलाफल सरकार के द्वारा नहीं हुआ। आज इसकी चर्चा पूरे सदन में सभी दलों के लोग करते हैं, अन्नदाता के रूप में जो हिन्दुस्तान के किसान हैं, आज उन किसानों द्वारा इतनी मेहनत करने के बाद भी सरकारी कर्ज़, साहूकारों का कर्ज़ बकाया रहता है। किसान जो उपज करते हैं, बहुत मेहनत के बाद वह उपज करते हैं। जहाँ से मैं आता हूँ, वह बिहार का जहानाबाद संसदीय क्षेत्र है। मैं समझता हूँ कि आज नीलगायों का प्रकोप देशव्यापी हो गया है। काफी मेहनत के बाद किसान फसल उगाते हैं। चाहे वह सब्ज़ी हो, चाहे वह गेहूँ हो, चाहे वह गोभी हो, चाहे वह आलू हो, हज़ारों की तादाद में वे निकलते हैं और रातों-रात हज़ारों एकड़ फसल को बरबाद करके खा जाते हैं। भारत सरकार ने नीलगायों को वन प्रणी घोषित कर दिया है, वाइल्डलाइफ में उनको ला दिया है। कोई उनका नुकसान नहीं कर सकता। ऐसा लगता है कि यह विषय काफी छोटा है, लेकिन जब हम उन इलाकों से गुज़रते हैं तो लोग इस बात पर काफी सवाल करते हैं। हम याद करना चाहते हैं, हालांकि वे यहाँ नहीं हैं, जो तत्कालीन वन मंत्री थे और आज वे ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री हैं - जयराम रमेश साहब, मैंने उनसे वार्ता की थी और उन्होंने कहा था कि केन्द्र सरकार इस पर एक फैसला लेने जा रही है। लेकिन आज तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ। हम तो मानते हैं, नीलगाय तो एक प्रणी है लेकिन किसानों का सबसे बड़ा शत्रु यदि देश में कोई है तो वह केन्द्र की सरकार है जो किसानों पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। किसान मर रहे हैं, फसल चौपट हो रही है। किसान कर्ज़ से डूब रहे हैं। किसान के बारे में केवल घड़ियाली आँसू केन्द्र सरकार बहाती है। हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह निवेदन करना चाहते हैं कि नीलगायों की बढ़ती संख्या पर नियंत्रण करें और किसानों की फसलों को जो वे चट कर जाते हैं, उनको पर्याप्त मुआवज़ा दें। इसी आग्रह के साथ मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ।